साधो हम देख्या बड़ा

साधो हम देख्या बड़ा तमासा
विश्व देख भया में विस्मय, देख देख आवत मोहे हासा।।

मेरी मेरी करते दुनी जात है, बोझ ब्रह्मांड सिर लेवे।
पाउ पलक का नहीं भरोसा, तो भी सिर सरजन को न देवे।।

सिर ले काम करे माया को, निसंक पछाड़े आप अंग।
न करे भजन दोष देवें सांई को, कहे दया विना न होवे साध संग।।

बांधत बंध आपको आपे, न समझे माया को मरम।
अपनों कियो न देखे अंधे, पीछे रोवें दोष दे दे करम।।

सतगुर साधो वाको कहिए, जो अगम की देवे गम।
हद बेहद सबे समझावे, भाने मनको भरम।।

महामत कहे गुर सोई कीजे, जो अलख की देवे लख।
इन उलटी से उलटाए के, पिया प्रेमें करे सनमुख।।